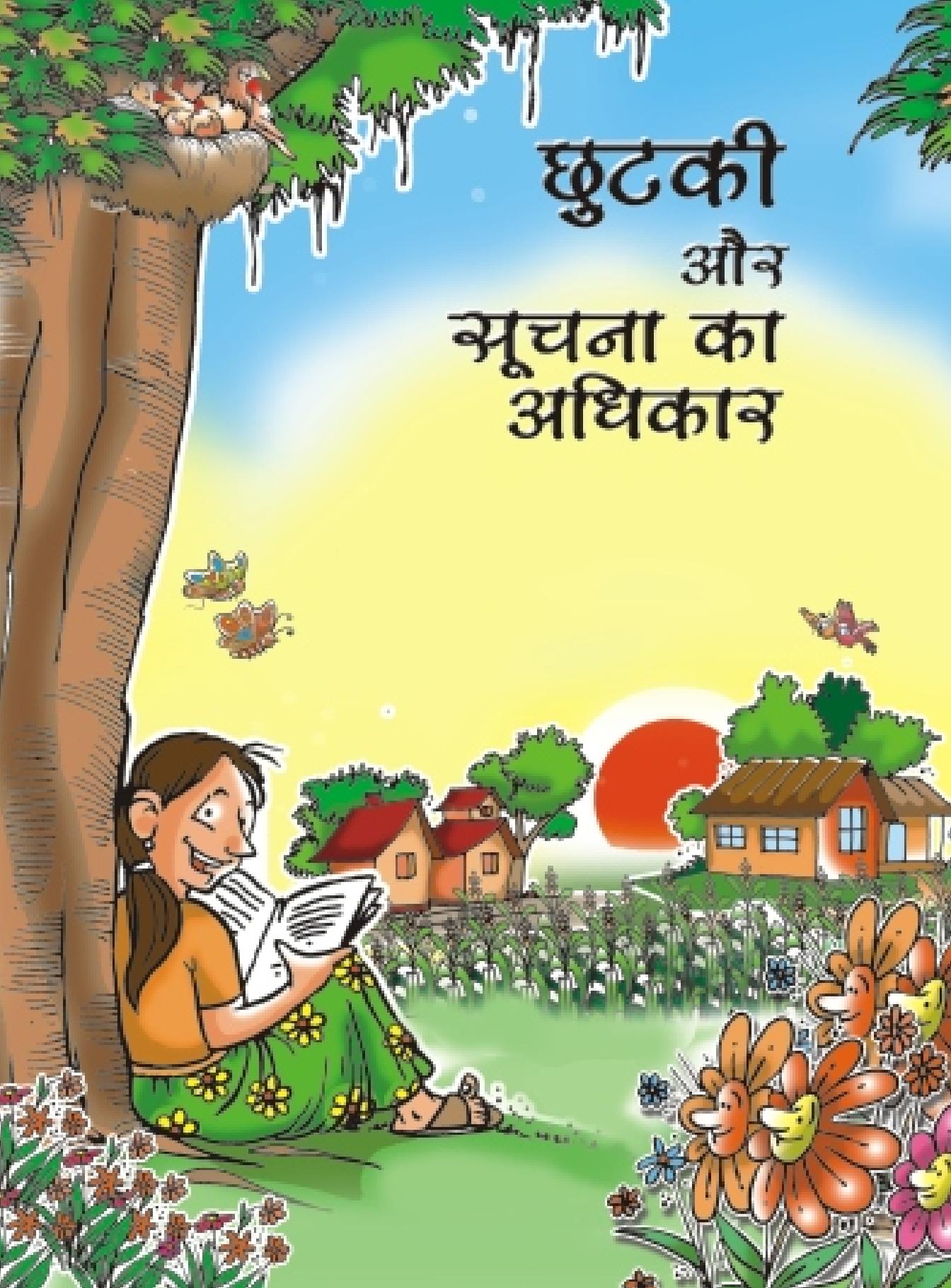


छुटकी और सूचना का अधिकार



सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रकाशक : समर्थन-सेंटर फॉर डेवलपमेन्ट सपोर्ट, भोपाल

प्रकाशन वर्ष : 2008

प्रथम संस्करण : 3000 प्रतियाँ

उचित स्वीकृति से सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है।

चित्रांकन एवं मुद्रण : एम.एस.पी. ऑफसेट, भोपाल

छुटकी - समर्थन की परिकल्पना है।

यह प्रकाशन फोर्ड फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से किया गया है।



यह **छुटकी** है..

इसके छोटे से कन्बे का नाम किन्नरगढ़ है...छुटकी बहुत होशियार और चतुर है वह अपनी कक्षा में अव्वल आती है और उसे आमपान्न की कई जानकारियाँ हैं, कि कौन सा काम कैसे किया जाता है..आज छुटकी ठमें सूचना के अधिकार के बारे में बताएगी..इसके तहत आम आदमी किसी भी सरकारी विभाग से जानकारी मांग सकता है बाकी आगे देखें....





क्या बात है फुटकी..
आज बहुत न्युश दिव
वही हो...

काका..आज हमें स्कूल में
सूचना के अधिकार कानून
के बारे में दीदी ने बताया है..



सूचना के अधिकार
की जानकारी...
वह क्या होता है?

सुनोगें तो आप
भी न्युश हो
जाओगें



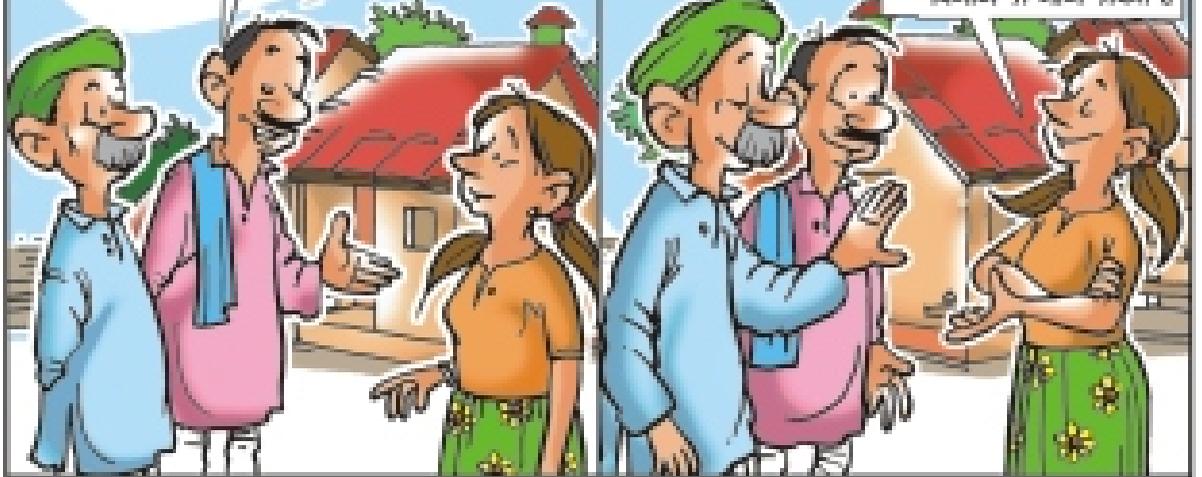
काका..हमारे पूरे देश में सूचना
या जानकारी मांगने का अधिकार
12 अक्टूबर 2005 से लागू हो
गया है इस कानून से हम उन
तरत की जानकारी सरकार की
दफतार से मांग सकते हैं.



काका..छुटकी तो यबला बर्द है...
कोई जानकानी नहीं मिलती आज
के जमाने में..

परिन तु कक, पुर्वे
तो छुटकी ने क्या क्या
जानकानी मांग
सकते है,
बता छुटकी

इन कानून के माध्यम से
तुम अपने फावड़े और समाज
से जुड़ी सभी जानकानियां
अपनी पंचायत, आबासवादी केन्द्र,
जमान विकास, जमान पारिक
समान की दुकान व किन्हीं भी
विभाग से मांग सकते है



अने छुटकी विटिया कोई
जानकानी न दे तो...?
शासन की जानकानी तो
गोपनीय होती है?

कुछ जानकानियां
को छोड़ कर कोई भी
जानकानी गोपनीय
नहीं है.

लोकल छुटकी ..
जानकानी देगा
कीन.. ?और
मिलेगी कैसे.. ?

..मैं तो तब
मानूं जब तु जानकानी
लाकरे दिन्वाह..





अच्छा तो आप लोग ऐसे नहीं मानोगे चलो ठीक है तो हम सब लोग कल तहसील कार्यालय चलते हैं जहाँ पत्र में आपके सामने आवेदन कसौजी और आप लोग देखना कि जानकारी कैसे ली जाती है...



ये ठीक रहेगा ना काका.. कल हम चलकर देख ही लेते हैं सूचना के अधिकार की बात ..

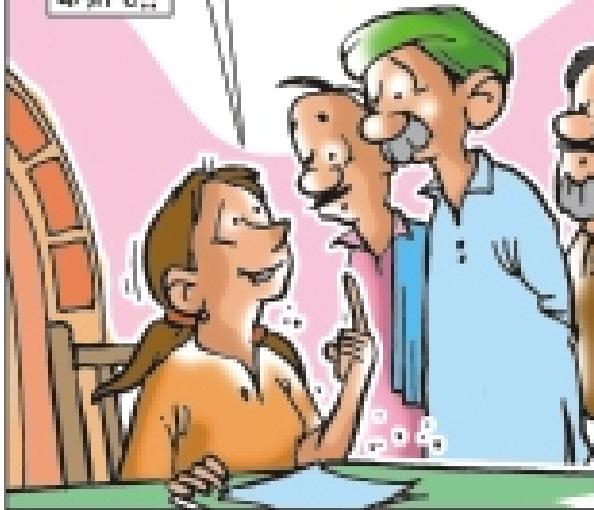
सभी लोग फुटकी के साथ तहसील कार्यालय पहुंचते हैं..





तटनील कार्यालय पहुंचकर सभी लोगों के सामने फुटकी ने आवेदन तैयार किया

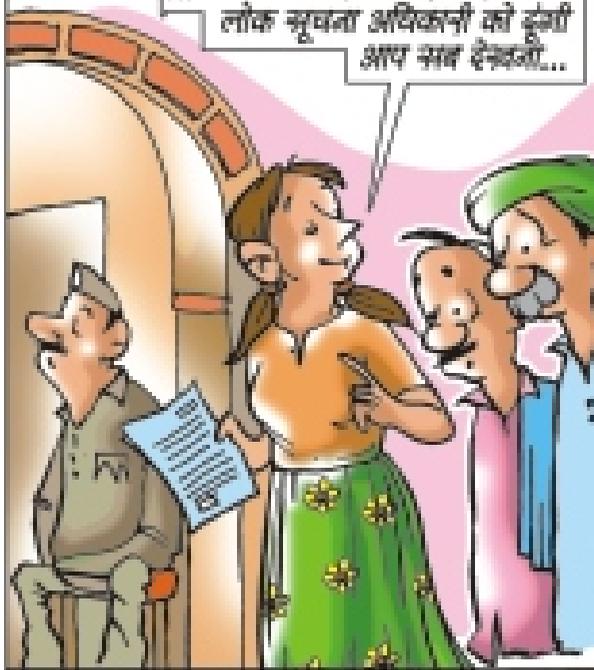
अब आप सब लोग देखें आवेदन कैसे तैयार करना है..



फुटकी बिटिया, अब आवेदन कैसे और किन्से देखें..?



आप सब लोग मेने साथ चलें... मैं इस आवेदन को इस दफ्तान के लोक सूचना अधिकारी को देगी आप सब देखेंगी...



तटनील कार्यालय में...

अने..अने वठ बानस कल घुन्नी घली आ नही है.. वठ धर्मशाला गेती है, नाराय का दफतान है.





हम सभी यहाँ जानकारी लेने आते हैं..

अने संघियान की पूछ कोन नही जानकारी लेने आते ही.. यहाँ कोई जानकारी नही मिलती.. भागो यहाँ से



तुम्हारे कार्यालय का सूचना के अधिकार का बोर्ड कहाँ लगा है और कोन है आपके कार्यालय में लोक सूचना अधिकारी.. ?

सभी बोर्ड जवन लगते है, और अन्दर पूछ ली पाता लेना जायगा



बुटकी.. यहाँ तो कोई काम भी नहीं डाल रहा है तु तो बड़ी - बड़ी बातें कर रही थी



बुटकी बोर्ड के अधिकारी का नाम देवकान आर्य और पूछा शंकरलाल साठव जी कहाँ बैठते है

सामने वाले कमरे में ..





सनकन ने भड़काया है उसे क्योंकि... सूचना के अधिकार का कानून भी तो उसी ने बनाया है

यदि हम तुम्हारा आवेदन न लें तो..?



आप मेरा आवेदन नहीं लेते तो हम आपके व्यवहार और आवेदन नहीं लेने की शिकायत राज्य सूचना आयोग के कमिश्नरों को करेंगे...

सूचना के लेवन देना अधिकारी सठमा, और आवेदन सब में ले लिया

क्या जानकारी चाहिए...आप लोगों को..?





मन हम अपने मौलानों से जुड़ी जानकारी बातें हैं जो कि आवेदन में लिख दी हैं



आवेदन को देखकर अधिकारी बोला...

आवेदन शुल्क के लिए स्टाम्प नहीं लगाया है

मैं नकद आवेदन शुल्क लाई हूँ



अच्छा तो नकद ही दे दो... और जानकारी आपको एक महीने में आवेदन में रिफ पत्रे पत्र भेज दी जायगी ..

नसरत, आवेदन की फावली और शुल्क (पीस) की नकदी तो दे दो...



अने वत नइकी तो बड़ी तेज है...

अने धीकीशन... नकदी कदत और नील कत नकदी है तुने.. लाकन दे...





अधिकारी द्वारा अधिकांश डालने
और घुटकी की जीत को देखकर
सभी खुश हुए और बोड़े तन कर
चढ़े ही गए..



आवेदन की पावती और शुल्क का नसीब
लेकर सभी कायम किर्धानजड़ चले गए



वाह.. घुटकी मात्र गए तेनी हिम्मत
और सूचना के अधिकार का नुज की
मत के....



अधिकारी को मजबूत
कर दिया उम्मांनी
घुटकी ने.. ' वाह घुटकी..

काका, मेरी उली
यह का नुज की
तकित है





काका, इस कानून के द्वारा सरकार ने जानकारी मांगने, निरीक्षण करने के लिए निर्धारित आवेदन बनाया है जिसे मन कर उस विभाग के कार्यालय में जमा कर जानकारी मांग सकते हैं ... इसे सारे कानून पर भी लिखकर दे सकते हैं



लेकिन कुछकी वधि आवेदन लेकन लोक सूचना अधिकारी जानकारी न दे तब उस क्या कर सकते है?

तब उस प्रथम अपीलिय अधिकारी को अपील करनेवा.



अपीलीय अधिकारी कोज ने कुछकी.. ?

काका उन विभाग ने लोक सूचना अधिकारी के उपर अपीलिय अधिकारी लिखत किया है जो जानकारी न दित जाने पर कार्यवाही कर सकते हैं



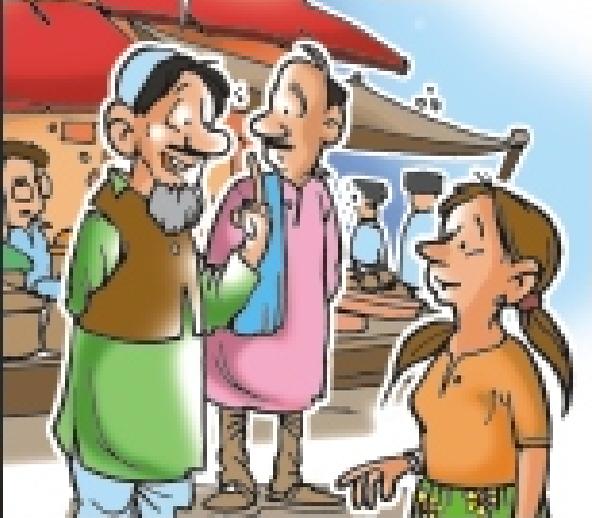


कैसे न्यायित होना
की लोक सूचना
आधिकारी नहीं
दे पाए है... ?

उमने यह पावती ली है
किम पन आवेदन इमानत
तारीख और नील लगी है
आज से 30 दिनों के अंदर
जावकनी उन हाल में देनी
होगी। 30 दिनों में जावकनी
न देने पन अपील कर
सकते हैं..



घुटकी, तेनी बात तो समझ आ गई कि
30 दिनों में जावकनी नहीं मिलती तो हम
अपील कर सकते हैं लेकिन अपील करने
से भी जावकनी नहीं मिलती
तो क्या करेंगे.. ?

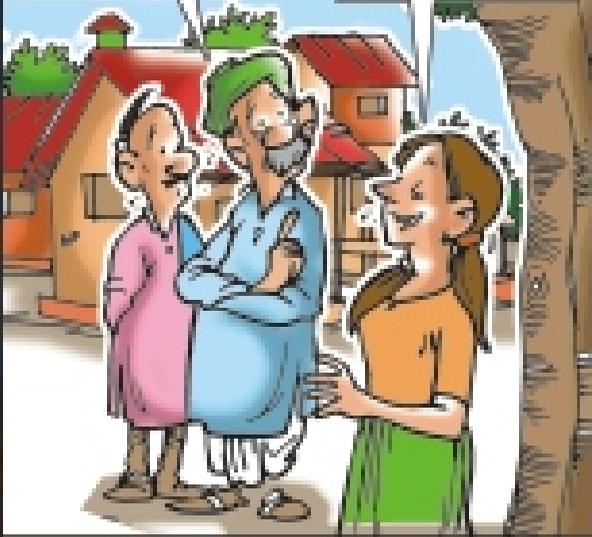


नहमान पावा, जब हम इसनी अपील राज्य
सूचना आयोग के कमिश्नर व केंद्र के
मामलों में केन्द्रीय सूचना आयोग के
कमिश्नर के पास अपील करने



घुटकी बिरिया, क्या
आवेदन करने, अपील
करने व शिकायत
करने में भी कोई
खर्च होना क्या.. ?

काका इन कानून में
आवेदन शुल्क और अपील
करने की फीस नहीं
गई है शिकायत का
कोई शुल्क नहीं है.





क्या वह मुल्क अमीन मनीष नगी को देना होता है

नहीं काका, इस कानून में यह प्रावधान है कि जो पैनिशन जर्नीवी नेवा के नीचे हैं, उनमें आवेदन व अपील की फीस नहीं ली जाती है बाकी में आवेदन मुल्क प्रथम और द्वितीय अपीलिय मुल्क लिया जायेगा..



बुटकी वह मुल्क किन्न नय में देना होता है..

कानून के तहत व्यवस्था है किन्नमें आवेदन करने के समय क्वच मुल्क कार्यालय में जमा कर नन्दि ले सकते है वा जर्नी नाशि का नॉन जुडीशियल स्टाम्प पेपन लगा सकते है



अपील के समय भी मुल्क लखेगा क्या बुटकी ?

हाँ यतमान चाचा फाली अपील के समय व दूसरी अपील के समय सनकान ज्ञान विधानिया मुल्क नाशि का नॉन जुडीशियल स्टाम्प पेपन लखेगा..



बुटकी विटिया आज तो तु बड़ी ज्ञान की बातें कर रही है लेकिन मेरे मन में एक सवाल आया है कि जाजकानी देवे यन सनकान का तो बहुत खर्चा होता होगा तो क्या सनकान इसका खर्चा भी लेगी.. ?

नहीं नयाल किया जाता.. विटिया बता दे इसे लियम की बात



जैसे आवेदन व अपीलियां शुल्क नहीं देना के लिये माफ है वैसे ही उन्हें पचास पेज तक फोटोकॉपी के लिए पैसा नहीं देना होता लेकिन अन्य लोगों को फीस ली जायेगी...

सूटकी विटिया कितना शुल्क लिया जायेगा ?



चंदन मैया, विभाग जब जानकारी सतमाव्य पत्रिका को देता तो फोटोकॉपी का दो रुपय प्रति पेज लिया जायेगा...



अगर कोई व्यक्ति जानकारी का निरीक्षण करना चाहे तो भी इतना ही शुल्क देना होगा

जहाँ काल.. काल में फाइल का निरीक्षण एवं जनजा लेने के लिए अलग शुल्क निर्धारित है.



तो क्या वह बहुत अधिक है और सबको देना होता है सूटकी विटिया..?

नहीं बहुत अधिक नहीं है आपको सैनिकों के विकार्ड का निरीक्षण करने के लिए नियमित शुल्क देना होगा..



फुटकी बिरिया यदि किसी जाजकानी का जमना लेजा हो तो क्या कनजा लेगी..?

चंदन मैया... अगन किसी सामझी का जमना लेजा हो तो उसकी वाजतविक लाजना देजा लेगी...



फुटकी बिरिया कत तो बताओ कि दूसरी अपील कता कनेगी..?

कसका, यदि विभाज का प्रथम अपीलीय अधिकानी अपील कनजे के 30 दिन बाद भी जाजकानी नहीं देता, तब तम दूसरी अपील नान्य नुधजना आयोज कर्मिजन को कन सकतो हैं



मेने मज में एक सवाल आ रहा है कि अमान विभाग के अधिकारी, सूचना के अधिकारों के तहत आवेदन तो ले ले तो उनका कोई क्या कन लेना..?

यही सबसे बड़ी दिक्कत है..



सहजान बाबा... इन कानून के तहत अमान कोई अधिकारी आवेदन नहीं लेता, या जानकारी जानबूझ कर नहीं देता... या अधुनी जानकारी देता है और वह प्रमाणित तो जाता है तब कमिश्नर संबंधित अधिकारी को दण्ड दे सकते है अधिकतम 25000 रु तक का जुर्माना हो सकता है.

हाँ, कुछ अधिकारियों पर जुर्माना भी हुआ है..



मुझे तो अनोखा तभी ठोका
जब फुटकी के ज्ञान लगाए आवेदन
पर जायकारी मिल जाए..

कहीं कल,
चंदन तुने...

मुझे पूरा अनोखा है कि
तेलमल्लि कार्यालय ठमै तीन दिन
के भीतर जायकारी पहुंचाएगा

देखते हैं,
चिटिया



और 15 दिन बाद ठाकिया गांव में आया....

जी फुटकी चिटिया ये ली
तुम्हारी चिटती,ओन फायती दे से.



भरुना जिले के कानी बसई ग्राम पंचायत ने सूचना के अधिकार को लागू करने के लिये प्रस्ताव पारित किया



किसकी विट्ठी है फुटकी बिटिया

काका, तहसील कार्यालय में जी आर्बदन लगाया था उसकी जाजकानी 15 पैर की है और उसकी फोटोकॉपी लेने के लिए 30 रुपये जमा करना होगा

अब क्या करेंगे फुटकी बिटिया..

बाबा, ठमें तहसील अफिस में जाकर शुल्क जमा करवा डोगा, तब जाजकानी मिलेगी



तो ठीक है कल ठम तहसील कार्यालय में चलकर शुल्क जमा करेगी और जाजकानी लेगी...

ठीक है बिटिया...

नरमान बाबा, काका... चलें...

चलो बिटिया...





बड़ी जल्दी आ गए आप लोग, कल ही तो पत्र भेजा था... लजता है आप लोग दुनिया बदलने निकल पड़े ही... देन्यों धोती कुर्ती वाले भी जानकर ही गए हैं, जल्दी मुल्क लेकर इन्हें जानकारी से भई... जाओ जानकारी ले लो..



कह अधिकारी हमने कितना मल्ल व्यवहार कन रहा था ..



हाँ काका बड़ा ही बेवुरा था.. मेरा तो मन कन रहा था कि कनरा या जकाव दे दूँ, कि धोती पहनने वाले क्या जानकारी जहाँ माँव सकरो ?



हाँ नरमान भाई.. मुन्ना तो मुझे भी आ रहा था



देन्यों तो मला जिना लजता के पैसों नो मनकान चलती है उनकी से ऐसा व्यवहार...





अब क्या करेंगे
घुटकी किरिया...? उस
अधिकारी ने तो हमें
मल्ला जायकारी
दे सी..

मैंने बताया था कि
मल्ला जायकारी देने पर
हम उस अधिकारी के
निचलाफ पठली अपील या
कमिश्नर को शिकायत भी
कर सकते हैं

तो क्या हम
उसके निचलाफ
आपिल में
जाएंगे..?

हम आपिल भी करेंगे..
और कमिश्नर को
शिकायत भी करेंगे..



ठीक है किरिया...
हमें आपिल जरूर
करना चाहिए
क्यों भाईयों!

दुसरे दिन घुटकी और सभी लोग एस.डी.एम.
के कार्यालय चल दिये... चूकि घुटकी ने सभी को
पठले समझाया था कि आपिल कैसे करना है,
शुल्क कितना लगता है, इन्सालिये
सब सुपचार चल रहे थे...







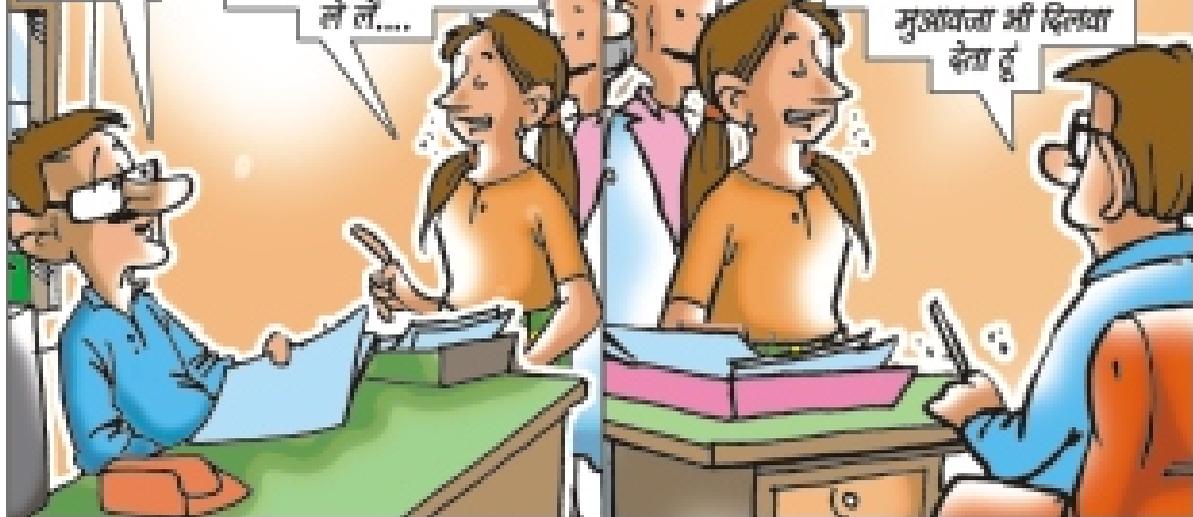
अपील अधिकारी ने लोगों को सुनने में देर कर

आप वाहने क्या ले और क्या जानकारी मांगी थी ?

उस लोक सूचना अधिकारी के ज्ञान पूरी जानकारी न देने पर आपको अपील करना चाहते हैं। आप अपील ले लें....

अपील अधिकारी अधिकारी अपील परफुल लोग,

आप लोग वह अपील न करने में फोन करके उस अधिकारी को बोल देता हूँ वह आपको जानकारी दे देगा और गांव के सभी किसानों को मुआवजा भी दिला देता हूँ



हमें आपकी मेहनतानी नहीं चाहिये। आप तो हमारी अपील ले लें और हमें सही और पूरी जानकारी दिलवाने की क्या करें

कार्यालय की वाहन निकलकर

आज घुटकी की हिम्मत और दिलोनी देवकन मेना सीता चौड़ा हो गया....



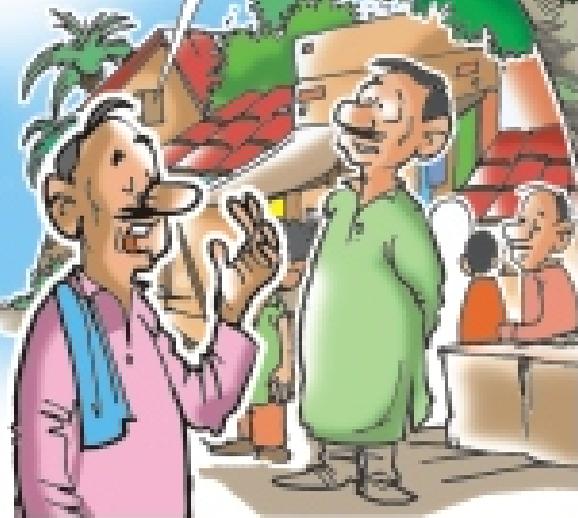


तीस दिन सुनने नहीं के बाद चौपाल पर चर्चा करने लगे ...

बिटिका, अपीलीय अधिकारी की तपक से तो कोई जवाब नहीं आया, अब क्या करनेसे ठम.....

काका...इसमें निराशा होने की जगह नहीं है अब ठम कल ही दूसरी अपील सूचना आयोग कार्यालय में लगावेंगे।

इतना आसान नहीं है जानकारी मिलना। इसमें तो बहुत समय खर्चा ही पडा है।



देनिये, अधिकारी इतनी ही आसानी से जानकारी देते, तो यह कागज लाने की जगह ही क्या थी इसलिये मैं हिम्मत नहीं लगानी और कल ही दूसरी अपील करंगी।

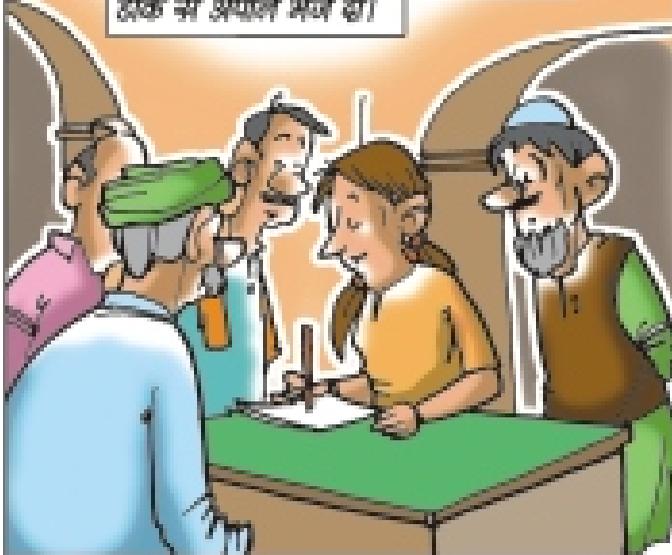
हां घुटकी नहीं कह रही है। ठम कल ही दूसरी अपील करंगी।





दूजने दिन घुटकी ने सबके बीच बैठकर दूजनी अपील तैयार की और घुटक के रूप में जान लुडिचिवल स्टॉम्प लगाकर राज्य सूचना आयोग के कमिश्नर को टाक में अपील भेज दी।

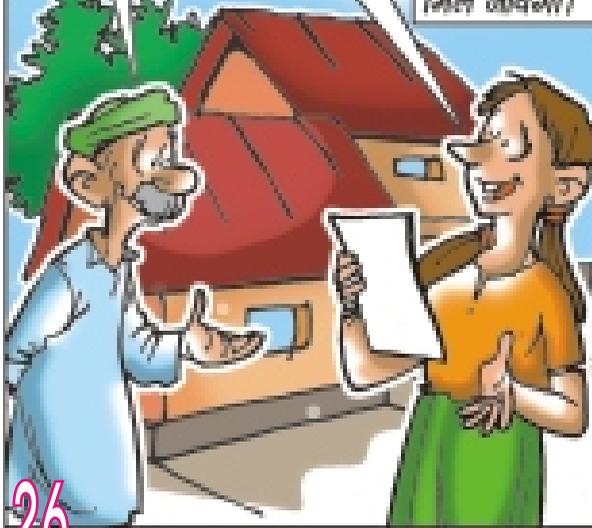
कुछ दिनों बाद...
लौ ..घुटकी तुम्हारा पत्र, राज्य सूचना आयोग के कमिश्नर के यहाँ भी आया है...



खिटिया जल्दी से पढ़कर लौ सुना क्या लिखा है।

कमिश्नर साठव ने कहा है दोनो अधिकारियो द्वारा जानकारी नहीं देने पर पांच हजार का जुर्माना किया है और लिखा है कि आपको पांच दिनों में चाली बर्ष जानकारी मिल जावेगी।

इतना सुनकर काका की नुप्री का ठिकाना न रहा और उन्होंने घुटकी को मने लगा लिया...





सौजन्य का सबसे बड़ा बीड़ा मुझे कर्मा कर रहे मे

देनखो कौई
माड़ी आ नही है,

तुं काका
माड़ी तो आ
नही है.....

बीड़ी ही देन बाब - बाब में माड़ी नही और उनमें में
सहनील कर्मलिया के वही लोक नृजन अधिकारी
जिनको पढने आवेदन दिया था उनने

मुटकी जी
का धन कहां है।

पढावना नरुव
तुम आपने
जानकनी
लैवे आये थे।

तुं, तुं में वही जानकनी देने
आया हूं। आप लीगीं जे मेनी
शिक्षणा जवन तक कन ही
मेना बह नुकनान ही गया।

अने बहज जी
आपने जी जानकनी
मांगी थी में वत
आपको देने आया हूं।

आपने तो तुमने
पढले अघुनी
जानकनी
ही थी।



हम जानकारी देने में हमसे जल्दी तो कई ही लोगों के जो के मुआवजे स्वीकृत नहीं हुए वे वह मुआवजे इन्हीं सभार स्वीकृत हो जायेंगे और लखी काशी की जमीन का बंटवारा भी कर दिया जायेगा, उनके लिये ऑर्डर कर दिये गये हैं जिसकी कोपी मैं नया ही लेकर आया हूँ।

ऐसा न हो कि वे आपकी घोषणा ही नष्ट जाये। अब हम थोड़ी-कुछ वाले भी जान गए हैं कानून की बात..

जहाँ, पुनर्जी बाँटें भूल जायेंगे काका, सबी के मुआवजे इन्हीं सभार में मिल जायेंगे।



इतना मुज कब काका, बरजान चाचा और जय के सभी लोगों की खुशी का रिकामा न बल और सभी ने खुदकी को लखी में उठा लिया और एक साथ कला, बेटी हो तो ऐसी। वन तरह खुदकी ने किन्नरबाद के सभी लोगों की सूरज के अधिकार की ताकत का ज्ञान कराया और कानून की ताकत दिखायान कराता कर दिए.....



सू च न ा

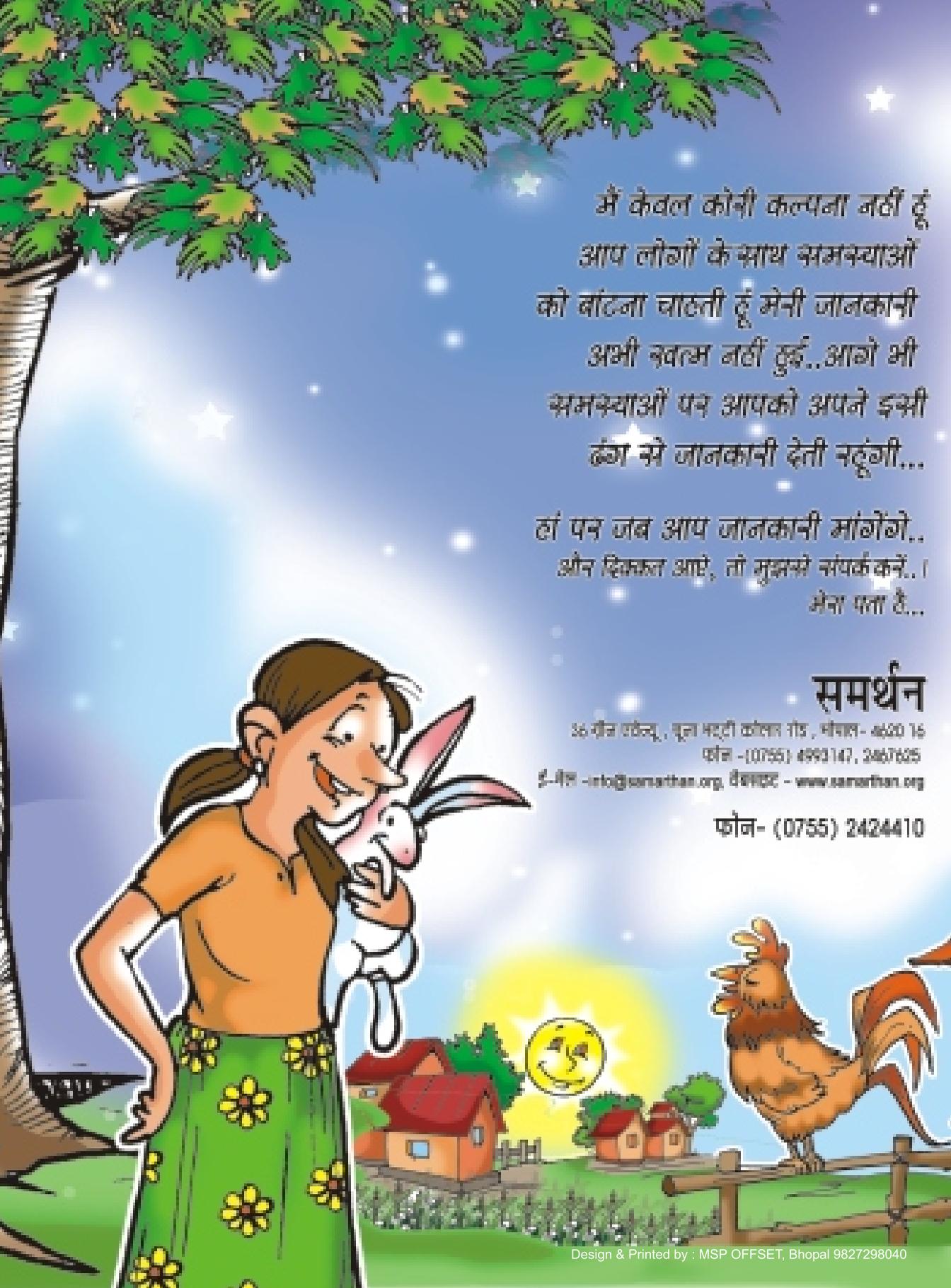
हमारे बारे में.....

समर्थन एक स्वैच्छिक व गैर सरकारी संगठन है जो मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में स्वैच्छिक प्रयासों के लिए सहयोगी संस्था के रूप में कार्यरत है। यह संगठन प्रशिक्षण, सूचनाओं तथा जानकारियों का आदान प्रदान, शोध एवं विचार विमर्श के माध्यम से स्वैच्छिक संस्थाओं, समुदाय व सरकार के बीच समन्वय स्थापित करता है।

वर्तमान में समर्थन स्थानीय स्तर पर स्वशासन एवं पंचायती राज व ग्राम स्वराज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए ग्राम सभाओं को प्रभावी बनाने तथा सूचना के अधिकार के क्रियान्वयन के लिए प्रयासरत है। हमारा लक्ष्य है कि जागरूक ग्राम सभाएं सक्रिय पंचायतों का गठन करें, जो अपने क्षेत्र के विकास में नए उदाहरण प्रस्तुत कर सकें।

इसी संदर्भ में संस्था ने एक नया प्रयोग करने का प्रयास किया है, जिसमें 'सूचना के अधिकार' के क्रियान्वयन को लेकर एक सरल रूप में 'कॉमिक्स' का निर्माण किया है, जिसमें 'सूचना के अधिकार' जैसे कठिन विषय को सभी के लिये रोचक ढंग से समझाने का प्रयास किया है ?





मैं केवल कोनी कल्पना नहीं हूँ
आप लोगों के साथ समस्याओं
को बाँटना चाहती हूँ मेरी जानकानी
अभी बरतम नहीं हुई..आगे भी
समस्याओं पर आपको अपने इसी
ढंग से जानकानी देती रहूँगी...

हाँ पर जब आप जानकानी माँगेंगे..
और दिक्कत आएँ, तो मुझसे संपर्क करें..।
मेरा पता है...

समर्थन

36 गीन पटेल, वृत्त भट्टी कॉलेज रोड, भोपाल - 4620 16

फोन - (0755) 4993147, 2467625

ई-मेल - info@samarthan.org, वेबसाइट - www.samarthan.org

फोन- (0755) 2424410